कोपनहेगन विश्वविद्यालय के टोर्स विभाग का दक्षिण एशियाई अध्ययन खंड आपको

हिंदी संध्या

पर आमंत्रिक करता है। इस कार्यक्रम में श्रीमती अर्चना पैन्यूली जी के हाल ही में प्रकाशित हुए उपन्यास "पॉल की तीर्थयात्रा" का विमोचन होगा। साथ ही साथ उत्तरी यूरोप में हिंदी की दशा पर परिचर्चा होगी। इसके अलावा हिंदी संध्या में कुछ कविताएँ भी पढ़ी जाएँगी।

उद्घाटन भाषण

उपन्यास का विमोचन और एक पाठ का पठन

उत्तरी यूरोप में हिंदी की दशा पर परिचर्चा

कविता पाठ

समय गुरुवार, 22 सितंबर 2016
शाम 5 से 7 बजे तक

स्थान Karen Blixens vej 4
2300 København S
27.0.17 (Building 27, ground floor, room Nr. 17)

संपर्क

Elmar Renner, हिंदी अध्यापक
pxd337@hum.ku.dk